समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Friday, 25 September 2026

क्या घर खरीदने के लिए एसआईपी करना बेहतर है या होम लोन लेकर ईएमआई का भुगतान करना ? क्या सस्ती है ? गणना देखिये.

Publisher

Published on 05 May 2025

यदि आप अपना घर खरीदने का सपना पूरा करना चाहते है, तो होम लोन बेहतर है या म्यूचुअल फंड के तहत एसआईपी ? पूरी गणना समझिए...

हर किसी का सपना होता है कि उसका अपना घर हो। हालाँकि, मुंबई और उसके उपनगरों के साथ-साथ देश के कई अन्य प्रमुख शहरों में हाल ही में आवास की कीमतों को देखने के बाद ऐसा लगता है कि घर का सपना हमेशा सपना ही रहेगा। आम लोगों के लिए घर खरीदना भी बड़ी बात मानी जाती है। अधिकांश मध्यम वर्ग के लोग होम लोन लेकर घर खरीदते हैं। कई लोग अग्रिम भुगतान के लिए आवश्यक 20 प्रतिशत राशि बचाने के लिए निवेश करना शुरू करते हैं। पैसा निवेश करने के लिए कई लोग एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में दीर्घकालिक निवेश शुरू करते हैं। एसआईपी की शुरुआत इस इरादे से की जाती है कि घर खरीदने के लिए एकमुश्त बड़ी रकम का भुगतान किया जा सके।

ईएमआई या एसआईपी ?

आज के लेख में हम बात करेंगे कि आपके लिए अपना घर खरीदने का कौन सा तरीका अधिक सुविधाजनक है। क्या आपको हर महीने म्यूचुअल फंड एसआईपी के माध्यम से निवेश करना चाहिए या होम लोन लेकर ईएमआई के माध्यम से राशि चुकाते रहना चाहिए ? आइए जानें कि इन दोनों में से कौन सा विकल्प बेहतर है और इन गणनाओं को समझें...

यदि आप होम लोन पर मकान खरीदते है...

यदि आप होम लोन लेकर 50 लाख रुपए का घर खरीदना चाहते हैं तो आपको बैंक से लोन लेना होगा। बैंक सामान्यतः 8.75 प्रतिशत की ब्याज दर पर ऋण देता है। इसका मतलब यह है कि 50 लाख रुपये के लोन के लिए हर महीने 44,186 रुपये की

ईएमआई चुकानी होगी। ईएमआई की यह राशि 20 वर्षों तक चुकानी होगी। इस लोन पर आपको 56 लाख 4 हजार 529 रुपए ब्याज देना होगा। यानी 50 लाख के इस घर की कीमत 1 करोड़ 6 लाख 4 हजार 529 रुपए थी।

यदि आप एसआईपी के माध्यम से घर खरीदना चाहते हैं तो इसकी गणना कैसे करें ?
अब हम एसआईपी पर विचार करते हैं। अगर आप एसआईपी के जरिए नया घर खरीदना चाहते हैं तो आपको एसआईपी के जरिए 50 लाख रुपये का फंड जुटाना होगा। अब मान लीजिए कि यदि आप अपने होम लोन की किस्त के बराबर राशि, यानी 44,186 रुपये, हर महीने एसआईपी में निवेश करते हैं, तो गणना कैसे होगी ? इन गणनाओं के अनुसार, आप केवल सात वर्षों में 50 लाख रुपये जमा कर लेंगे। यह गणना 12 प्रतिशत रिटर्न पर आधारित है।

इसका मतलब यह है कि एसआईपी के जरिए 50 लाख रुपये जुटाने में सात साल लगेंगे। अतः गृह ऋण के माध्यम से इसमें 20 वर्ष लगेंगे। दोनों खातों में हर महीने समान राशि जमा की जाएगी। हालांकि, इस गणना में एक बात ध्यान देने योग्य है कि यह निश्चित रूप से नहीं कहा जा सकता कि एसआईपी में 12 प्रतिशत रिटर्न मिलेगा।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.